JUSTICE MS. M. FATHIMA BEEVI (POSTHUMOUS)

Justice Ms. M. Fathima Beevi was an eminent jurist and the first woman Judge in the Supreme Court of India. Her entry into the higher echelons of Indian Judiciary opened the gates for women all across India and Asia to dream big and achieve the greatest heights of success.

2. Born on 30th April, 1927, at Pathanamthitta in Kerala, Justice Fathima Beevi did her schooling from Catholicate High School, Pathanamthitta and B.Sc.(Chemistry) from the University College, Thiruvananthapuram. Her father persuaded her to study law. She secured law degree with first rank from Law College, Thiruvananthapuram and first rank and gold medal in the Bar Council examination.

3. Justice Fathima Beevi enrolled as Lawyer in 1950 in District Court Kollam and practiced in Civil and Criminal cases for seven years. She secured first rank in PSC Examination and joined Judicial Service in 1958 as Munsiff and promoted as Subordinate Judge, Chief Judicial Magistrate and District & Sessions Judge in 1974. She was appointed as first female judicial member in the Income Tax Appellate Tribunal. She was elevated to the High Court as the first female Muslim Judge in 1983. She was appointed as the first woman Judge of the Supreme Court of an Asian Nation in 1989 and served till 1992.Her time as Judge in Supreme Court is remembered for her exemplary service to the cause of Justice, her impartial adjudication and warm relation with the bar. At Supreme Court, she left lasting impact in Indian law through a number of notable judgements.

4. After retirement in 1992, Justice Fathima Beevi continued to serve in various positions. She became the first Chairperson of the Backward Classes Commission of Kerala and the first woman member of the National Human Rights Commission. She served as Governor of Tamil Nadu from January, 1997 to July, 2001. A champion of women's rights in society, she symbolised the Indian woman's quest towards self-actualisation, transcending the taboos and inhibitions imposed by conservative mores. Her commitment to Justice and Equality evident in her ground breaking career will continue to inspire generations.

5. Justice Fathima Beevi was honoured with several awards like Mahila Siromani Award in 1990; Doctrate of Letters conferred by Sri Padmavati Mahila Vishwa Vidyalayam Medal of Distinction by International Association of Lions in 1997-98; Rashtriya Gaurav Award by IIFS in 2004; Sthree Dakil Puraskar by All India Federation of Women Lawyers-2009; Mahila Thilakam 2012 Award by Kerala Government in 2012; Doctrate of Letters conferred by University of Calicut, Kerala in 2013; U.S. India Business Council (USIBC) Lifetime Achievement Award in 2015; First Lady Award by Ministry of Women and Child Development, Government of India; Kerala Prabha Award by Kerala State Government in 2023. Also, a Documentary Film was released by Kerala State Film Development Corporation title 'Brave woman in the path of Justice' to commemorate her remarkable life and legacy.

6. Justice Fathima Beevi passed away on 23rd November, 2023.

जस्टिस सुश्री एम. फातिमा बीवी (मरणोपरांत)

जस्टिस सुश्री एम. फातिमा बीवी, एक प्रतिष्ठित न्यायविद, भारत के उच्चतम न्यायालय में प्रथम महिला न्यायाधीश थीं। भारतीय न्यायपालिका के उच्च पदों पर उनके आसीन होने से पूरे भारत और एशिया में महिलाओं के लिए बड़े सपने देखने और सफलता की नई ऊंचाइयों को छूने के द्वार खुल गए।

2. 30 अप्रैल, 1927 को केरल के पतानामतिट्टा में जन्मीं, जस्टिस फातिमा बीवी ने कैथोलिकेट हाई स्कूल पतानामतिट्टा से अपनी स्कूली शिक्षा और यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम से बीएससी (केमिस्ट्री) की शिक्षा ग्रहण की। उनके पिता ने उन्हें कानून की पढ़ाई करने के लिए राजी किया । उन्होंने लॉ कॉलेज, तिरुवनंतपुरम से प्रथम रैंक तथा बार काउंसिल परीक्षा में प्रथम रैंक एवं स्वर्ण पदक के साथ कानून की डिग्री हासिल की।

3. जस्टिस फातिमा बीवी का वर्ष 1950 में जिला न्यायालय कोल्लम में वकील के रूप में नामांकन हुआ और सात वर्षों तक सिविल और दांडिक मामलों में प्रैक्टिस की । उन्होंने पीएससी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया और वर्ष 1958 में मुंसिफ के रूप में न्यायिक सेवा में शामिल हो गईं तथा वर्ष 1974 में अधीनस्थ न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुईं। उन्हें आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में प्रथम महिला न्यायिक सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें वर्ष 1983 में प्रथम महिला मुस्लिम न्यायाधीश के रूप में उच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। उन्हें वर्ष 1989 में किसी एशियाई राष्ट्र के उच्चतम न्यायालय की प्रथम महिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्होंने इस रूप में वर्ष 1992 तक सेवा की थी। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में उनके कार्यकाल को न्याय के हित के लिए उनकी उत्कृष्ट सेवा, उनके निष्पक्ष न्यायिक निर्णयों तथा बार के साथ अच्छे संबंधों के लिए याद किया जाता है। उच्चतम न्यायालय में उन्होंने, कई महत्वपूर्ण निर्णय लेकर भारतीय विधि के क्षेत्र में अविस्मरणीय प्रभाव छोड़ा।

4. वर्ष 1992 में सेवानिवृत्ति के बाद, जस्टिस फातिमा ने विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। वह केरल पिछड़ा वर्ग आयोग की प्रथम अध्यक्ष और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की प्रथम महिला सदस्य बनीं। उन्होंने जनवरी, 1997 से जुलाई, 2001 तक तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। समाज में महिलाओं के अधिकारों की एक समर्थक के रूप में, वह रूढ़िवादी विचारधाराओं द्वारा लगाई गईं पाबन्दियों और अवरोधों की परवाह न करते हुए, स्वयं की क्षमता और प्रतिभा को साकार करने की दिशा में भारतीय महिलाओं की यात्रा की प्रतीक बनीं। अपनी अभूतपूर्व करियर में न्याय और समानता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढियों को प्रेरित करती रहेंगी।

5. जस्टिस फातिमा बीवी को वर्ष 1990 में महिला शिरोमणि पुरस्कार; वर्ष 1997–98 में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायन्स के श्री पद्मावती महिला विश्व विद्यालयम मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन द्वारा डॉक्टरेट ऑफ लेटर्स; वर्ष 2004 में आईआईएफएस द्वारा राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार; ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ वूमन लॉयर्स द्वारा 2009 में स्त्रीडाकील पुरस्कार; वर्ष 2012 में केरल सरकार द्वारा महिला तिलकम–2012 पुरस्कार; वर्ष 2013 में कालीकट विश्वविद्यालय केरल द्वारा डाक्टरेट ऑफ लेटर्स पुरस्कार; वर्ष 2015 में यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड; महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फर्स्ट लेडी पुरस्कार; वर्ष 2023 में केरल राज्य सरकार द्वारा केरल प्रभा पुरस्कार जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, केरल राज्य फिल्म विकास निगम ने उनके उल्लेखनीय जीवन और विरासत पर आधारित 'ब्रेव वुमन इन द पाथ ऑफ जस्टिस' नामक एक वृत्तचित्र फिल्म रिलीज की।

6. दिनांक 23 नवंबर, 2023 को जस्टिस फातिमा बीवी का निधन हो गया ।